# मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

13 अप्रैल, 2023


## मुक्त विश्वविद्यालय में पुरातन छात्र सम्मेलन आयोजित

उ प्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में बृहस्पतिवार दिनांक 13 अप्रैल, 2023 को पुरातन छात्र सम्मेलन का वृहद आयोजन किया गया। रजत जयंती वर्ष में आयोजित इस सम्मेलन में विश्वविद्यालय के पुरातन छात्रों के साथ ही पूर्व कुलपतियों ने भी अपनी खट्टी मीठी यादों को साझा किया। विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी श्री शिवानंद जी महाराज, श्री शिवानंद आश्रम, कबीर नगर, वाराणसी ने दीप प्रज्ज्वलन एवं जल संरक्षण के साथ किया। इस अवसर पर उन्होंने मंत्रोच्चारण कर के कार्यक्रम की सफलता के लिए आशीर्वाद दिया।

कार्यकम के विशिष्ट अतिथि जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह जी, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति डा0 पृथ्वीश नाग जी एवं बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर ज0 वी0 वैशम्पायन जी रहे। पुरातन छात्र सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

*दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यकम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण*

*अभिवादन स्वीकार करते हुए मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी श्री शिवानंद जी महाराज*

पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डॉ0 सुरेंद्र कुमार ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने विकास यात्रा पुस्तिका का विमोचन भी किया।

*कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 सुरेंद्र कुमार*

जल संरक्षण
करते हुए मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी श्री शिवानंद जी महाराज, विशिष्ट अतिथि जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह जी, विशिष्ट अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे वी वैशम्पायन जी एवं विशिष्ट अतिथि महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति डॉ0 पृथ्वीश नाग जी, माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी
एवं
कुलसचिव कर्नल विनय कुमार जी

## सरस्वती वन्दना

*सरस्वती वन्दना प्रस्तुत करती हुई छात्रायें*

# अतिथि स्वागत

*मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी श्री शिवानंद जी महाराज को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी*

*विशिष्ट अतिथि जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 दिनेश सिह*

*विशिष्ट अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे वी वैशम्पायन जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल*

*विशिष्ट अतिथि महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति डॉ0 पृथ्वीश नाग जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी*

*माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई डॉ0 मीरा पाल*

*कुलसचिव कर्नल विनय कुमार एवं पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए (क्रमशः) प्रो0 ए0के0 मलिक तथा डॉ0 नीता मिश्रा*

*अतिथियों का स्वागत करते हुए पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ ज्ञान प्रकाश यादव*

# अतिथि सम्मान

*मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी श्री शिवानंद जी महाराज को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी*

*विशिष्ट अतिथि जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह जी, विशिष्ट अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे वी वैशम्पायन जी एवं विशिष्ट अतिथि महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति डॉ0 पृथ्वीश नाग जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी*

*माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल एवं डॉ0 मीरा पाल*

*कुलसचिव कर्नल विनय कुमार को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए पुरातन छात्र परिषद अध्यक्ष डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव*

# विश्वविद्यालय चतुर्दिक दिशा में प्रगति कर रहा है: डॉ0 पृथ्वीश नाग

डॉ0 पृथ्वीश नाग

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति डॉ0 पृथ्वीश नाग ने कहा कि यह पुरा छात्रों के साथ ही पूर्व कुलपतियों का भी सम्मेलन है। जब वह यहां कुलपति थे तब इस विश्वविद्यालय के 500 अध्ययन केंद्र थे जबकि आज यह संख्या बढ़कर 3 गुनी हो गई है। विश्वविद्यालय चतुर्दिक दिशा में प्रगति कर रहा है।

# दूरस्थ शिक्षा का एक विशिष्ट स्थान है : प्रोफेसर जे0 वी0 वैशम्पायन

प्रोफेसर जे0 वी0 वैशम्पायन

विशिष्ट अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे0 वी0 वैशम्पायन ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा का एक विशिष्ट स्थान है। शिक्षा केवल नौकरी या कैरियर के लिए ही नहीं बल्कि आत्म संतुष्टि के लिए भी होती है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लोगों को शिक्षा के अवसर प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब वह यहां कुलपति थे तब यहां का फाइलिंग सिस्टम बहुत ही अच्छा था।

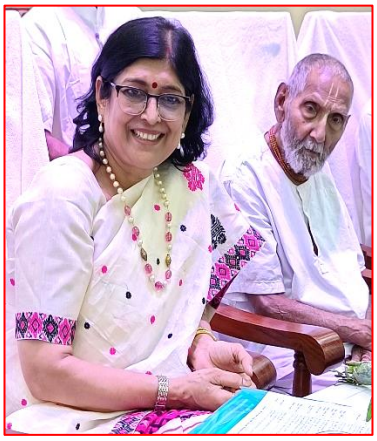

# विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र असीमित ह : प्रोफेसर हरिकेश सिंह

प्रोफेसर हरिकेश सिंह

विशिष्ट अतिथि जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह ने राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन को स्मरण करते हुए कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र असीमित है। उन्होंने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को कार्यकाल के 2 वर्ष सफलतापूर्वक व्यतीत करने पर शुभकामनाएं दी।

*मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी श्री शिवानंद जी महाराज का अभिनन्दन–पत्र पढ़ती हुई डॉ0 मीरा पाल*

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University

## अभिनन्दन-पत्र

### पद्मश्री बाबा शिवानन्द जी

हमारे बीच दो प्रकार के व्यक्तित्व दिखाई देते हैं। एक वे हैं जिनका जीवन काल सापेक्ष होता है, जो हमेशा केवल अपने लौकिक उत्कर्ष को बढ़ाने में ही संलग्न रहते हैं। दूसरे वे लोग हैं जो काल निरपेक्ष हुआ करते हैं, जिनके जीवन में लौकिक उत्कर्ष गौण होता है एवं अलौकिक उत्कर्ष प्रधान। इसी कोटि में आते हैं पद्मश्री बाबा शिवानन्द जी । आपका अभिनन्दन करते हुए उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय अपने आपको अत्यन्त गौरवान्वित अनुभव कर रहा है।

आपका जन्म अत्यन्त निर्धन परिवार में 08 अगस्त, 1896 को हुआ। आपका बचपन अत्यन्त अभाव में व्यतीत हुआ। 06 वर्ष की अवस्था में एक ही दिन सूर्योदय से पहले माँ एवं सूर्यास्त के बाद पिताजी का शरीरपात हो गया। आपने माता-पिता के अन्तिम संस्कार में मुखाग्नि न देकर चरणाग्नि देकर अपने अलौकिकत्त्व का परिचय दिया। माता-पिता के श्राद्धकर्म के पश्चात् श्री ओंकारानन्द गोस्वामी से आपने गुरु दीक्षा लेकर अलौकिक उत्कर्ष की यात्रा पर निकल पड़े। आपने विद्यालयी शिक्षा नहीं ग्रहण की। आज आप उपनिषद् की उक्ति ''कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समाः'' को चरितार्थ करके निःस्वार्थ भाव से निष्काम कर्मयोग एवं भक्तिमार्ग पर चलते हुए आनन्दमय स्वस्थ जीवन जी रहे हैं। आप नैष्ठिक ब्रह्मचारी हैं। प्रतिदिन यौगिक क्रियायें करते हुए उचित आहार-विहार के सिद्धान्त का पालन कर रहे हैं। फल एवं दुग्ध का ग्रहण नहीं करते। धनलोलुपता भी लेशमात्र नहीं है। आपने अपना जीवन समाज सेवा के प्रति समर्पित कर दिया है। आपकी समाजहित में क्रियाशील इन्हीं व्यक्तिगत उपलब्धियों को ध्यान में रखते हुए महामहिम राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द जी ने योग के क्षेत्र में आपको पद्मश्री की उपाधि से अलंकृत किया।

निश्चित रूप से आपका जीवन हम सभी के लिए राष्ट्र के लिए सतत स्रोतस्विनी की तरह प्रेरणा स्रोत हैं। आप जैसे युगपुरुष एवं योग ऋषि व्यक्तित्व को सम्मानित करते हुए यह विश्वविद्यालय परिवार अत्यन्त हर्ष का

दिनाँक : 13 अप्रैल, 2023

भवदीय
विश्वविद्यालय परिवार

*मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी श्री शिवानंद जी महाराज को अभिनन्दन–पत्र भेंट करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी, विशिष्ट अतिथि जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह जी, विशिष्ट अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे वी वैशम्पायन जी एवं विशिष्ट अतिथि महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति डॉ0 पृथ्वीश नाग जी*

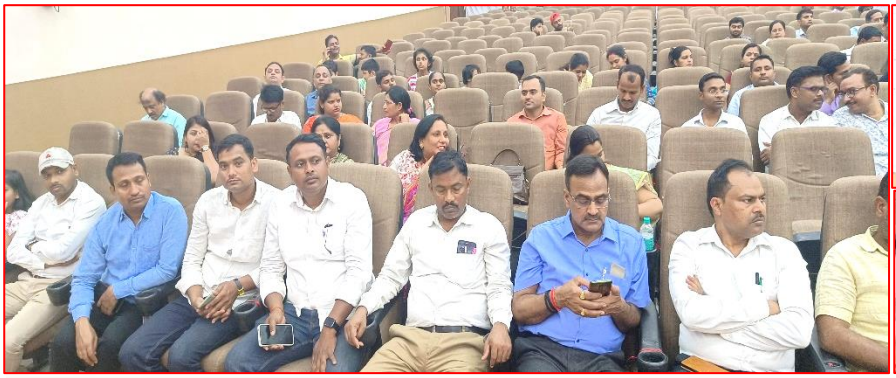

पद्मश्री महायोगी श्री शिवानंद जी महाराज

मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी श्री शिवानंद जी महाराज ने मंत्रोच्चारण कर के कार्यक्रम की सफलता के लिए आशीर्वाद दिया।

# पुरातन छात्रों का सम्मान

*पुरातन छात्र सम्मेलन में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने विशिष्ट पुरातन छात्रों प्रसिद्ध न्यूरो सर्जन डॉ कार्तिकेय शर्मा, पूर्व डीआईजी कृपाशंकर सिंह, डॉ धनंजय चोपड़ा, डॉ सुग्रीव सिंह, डॉ ललिता प्रदीप, श्री राघवेंद्र यादव, श्री प्रमोद तिवारी, डॉ सपना चौधरी आदि को सम्मानित करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी, विशिष्ट अतिथि जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह जी, विशिष्ट अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे वी वैशम्पायन जी एवं विशिष्ट अतिथि महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति डॉ0 पृथ्वीश नाग जी तथा साथ में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार एवं डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव*

# पुस्तक का विमोचन

*विकास यात्रा पुस्तिका का विमोचन करते हुए माननीय अतिथिगण*

पुरातन छात्र सम्मेलन में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने विशिष्ट पुरातन छात्रों प्रसिद्ध न्यूरो सर्जन डॉ कार्तिकेय शर्मा, पूर्व डीआईजी कृपाशंकर सिंह, डॉ धनंजय चोपड़ा, डॉ सुग्रीव सिंह, डॉ ललिता प्रदीप, श्री राघवेंद्र यादव, श्री प्रमोद तिवारी, डॉ सपना चौधरी आदि को सम्मानित किया। इसके साथ ही प्रतिभाग कर रहे सभी पुरातन छात्रों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गये।

द्वितीय सत्र में संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विशिष्ट पुरातन छात्रों ने अपनी यादें साझा की। पुरातन छात्र सम्मेलन के आकर्षण के केंद्र 127 वर्षीय श्री शिवानंद जी महाराज रहे, जिनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए अतिथियों एवं पुरातन छात्रों में होड़ लगी रही। तृतीय सत्र में पुरातन छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

# पुरा छात्रों के सहयोग से विश्वविद्यालय काफी आगे बढ़ सकता है : प्रोफेसर सीमा सिंह

**प्रोफेसर हरिकेश सिंह**

पुरातन छात्र सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने की। प्रोफेसर सिंह ने आज ही अपने कार्यकाल के 2 वर्षों को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पुरा छात्रों के सहयोग से यह विश्वविद्यालय काफी आगे बढ़ सकता है। पुरातन छात्र फूल की तरह हैं जिन्हें पुरातन छात्र परिषद रूपी धागे में पिरोना है। उन्होंने कहा कि रजत जयंती वर्ष में विश्वविद्यालय अपने पुराने छात्रों को सम्मानित करते हुए हर्ष का अनुभव कर रहा है। कहा कि आज विश्वविद्यालय में स्मार्ट लैब तैयार हो गई है। वीडियो रिकॉर्डिंग की जा रही है। मूक्स तैयार कर रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लिए यूजीसी में सभी प्रोग्राम भेज दिए हैं। जुलाई से एन ई पी 2020 के अनुरूप शैक्षणिक कार्यक्रम प्रारंभ किए जाने की योजना है।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

राष्ट्रगान

# द्वितीय सत्र

द्वितीय सत्र में संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विशिष्ट पुरातन छात्रों ने अपनी यादें साझा की।

*द्वितीय सत्र में संवाद कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 सुरेन्द्र कुमार*

*अतिथियों का स्वागत एवं परिचय देते हुए पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ ज्ञान प्रकाश यादव*

*अपने विचार व्यक्त करती हुई विशिष्ट पुरातन छात्र डॉ0 ललिता प्रदीप*

*अपने विचार व्यक्त करते हुए विशिष्ट पुरातन छात्र पूर्व डीआईजी कृपाशंकर सिंह*

*अपने विचार व्यक्त करते हुए विशिष्ट पुरातन छात्र डॉ धनंजय चोपड़ा*

*श्री राघवेंद्र यादव, श्री प्रमोद तिवारी, डॉ सपना चौधरी, डॉ0 एस0 के0 यादव, विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव डॉ0 ए0 के0 सिंह आदि विशिष्ट पुरातन छात्रों ने अपने विचार व्यक्त किये।*

पुरातन छात्रों को सम्मानित करते हुए माननीय अतिथि

*पुरातन छात्रों को सम्मानित करते हुए माननीय अतिथि*

*मननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी का दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर उन्हे बधाई देते हुए पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष एवं सदस्यगण*

# रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

*रंगारंग कार्यकम प्रस्तुत करते हुए पुरातन छात्र एवं बच्चे*

रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए पुरातन छात्रायें

*रंगारंग कार्यक्रम*

*प्रस्तुत करते हुए पुरातन छात्रायें*

*सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले पुरातन छात्र/छात्राओं को स्मृति चिन्ह भेंट करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी, परीक्षा नियंत्रक श्री डी0पी0 सिंह एवं कुलसचिव कर्नल विनय कुमार*

*सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले पुरातन छात्र/छात्राओं को स्मृति चिन्ह भेंट करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी, परीक्षा नियंत्रक श्री डी0पी0 सिंह एवं कुलसचिव कर्नल विनय कुमार*